राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्

महेन्द्रू, पटना–800006 (बिहार)

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH & TRAINING

MAHENDRU, PATNA-800006 (BIHAR)

(शिक्षा विभाग, बिहार सरकार)

विनोद कुमार सिंह (भा०प्र०से०)
निदेशक

Tele No : 0612-2370783 (O)
Fax No. : 0612-2371117 (O)
E-mail : directorscertbihar@gmail.com

394

पत्रांक – 571 /
प्र०प्रशा०(प्रशिक्षण)

पटना, दिनांक – 30·03·2019

सेवा में,
परीक्षा नियंत्रक विविध सचिव,
बिहार विद्यालय परीक्षा समिति,
बिहार, पटना

विषयः– सत्र 2018–19 से प्रारम्भ सेवापूर्व दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलिमेन्ट्री एडुकेशन (D.El.Ed) फेस–टू–फेस पुनरीक्षित पाठ्यचर्या की रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम के आधार पर प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के बाह्य परीक्षा के सम्बन्ध में।

2 APR 2019

महाशय

उपर्युक्त विषय के सन्दर्भ में कहना है कि सत्र 2018–19 से राज्य के प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सेवापूर्व दो वर्षीय डिप्लोमा इन ऐलिमेन्ट्री एडुकेशन (D.El.Ed) फेस–टू–फेस कोर्स पुनरीक्षित पाठ्यचर्या की रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम के अनुसार प्रारम्भ हो चुका है। पुनरीक्षित पाठ्यचर्या–पाठ्यक्रम पर सरकार का अनुमोदन प्राप्त है। पुनरीक्षित पाठ्यचर्या की रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम के आधार पर सत्र के प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के लिए बाह्य परीक्षा (external examination) बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के माध्यम से आयोजित की जानी है। ध्यातव्य हो कि प्रथम वर्ष के बाह्य परीक्षा का आयोजन मई–जून महीने में आयोजित किया जाना आवश्यक है, क्योंकि अकादमिक सत्र के अनुसार जुलाई महीने से द्वितीय वर्ष का सत्र प्रारम्भ हो जाता है। कृपया विदित हो कि पूर्व में प्रशिक्षण महाविद्यालयों द्वारा पुराने पाठ्यक्रम के आधार पर D.El.Ed परीक्षा का आयोजन तथा मूल्यांकन कर अंक सीधे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति को प्रेषित किया जाता रहा है।

उक्त के आलोक में पुनरीक्षित पाठ्यचर्या की रूपरेखा एवं पाठ्यक्रम पत्र के साथ संलग्न कर आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित की जा रही है।

अनुलग्नक :–यथोक्त

विश्वासभाजन
निदेशक
29·3·19

393

पत्रांक– 12/विविध–11/2016....4078
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्।

प्रेषक,

सुषमा कुमारी,
संयुक्त निदेशक (प्रशासन),
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
महेन्द्रु, पटना।

सेवा में,

परीक्षा नियंत्रक (विविध),
बिहार विद्यालय परीक्षा समिति,
बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 03.12.2025

विषयः– डी0 एल0 एड0 प्रशिक्षण सत्र 2026–28 में नामांकन हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा, 2026 से संबंधित (i) प्रवेश विवरणिका उपलब्ध कराने एवं (ii) परीक्षा की विज्ञप्ति के प्रारूप व परीक्षा आवेदन प्रपत्र के प्रारूप को अनुमोदित किए जाने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि परीक्षा नियंत्रक (विविध), बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना के पत्रांक–418 दिनांक–21.11.2025 एवं पत्रांक–427 दिनांक–29.11.2025 द्वारा डी0 एल0 एड0 प्रशिक्षण सत्र 2026–28 में नामांकन हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026 से संबंधित (i) प्रवेश विवरणिका उपलब्ध कराने एवं (ii) परीक्षा की विज्ञप्ति के प्रारूप व परीक्षा आवेदन प्रपत्र के प्रारूप को अनुमोदित करने का अनुरोध किया गया है।

सम्यक् विचारोपरान्त डी0 एल0 एड0 प्रशिक्षण सत्र 2026–28 में नामांकन हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026 से संबंधित (i) प्रवेश विवरणिका उपलब्ध कराने एवं (ii) परीक्षा की विज्ञप्ति के प्रारूप एंव परीक्षा आवेदन प्रपत्र के प्रारूप पर अनुमोदन प्रदान किया जाता है।

अनुलग्नकः–यथोक्त।

विश्वासभाजन

03/12/25

(सुषमा कुमारी)
संयुक्त निदेशक (प्रशासन),
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्।

डी.एल.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा

D.El. Ed. Joint Entrance Test

संशोधित प्रवेश विवरणिका

(सत्र 2026–28)

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना।

डी.एल.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा

D.El. Ed. Joint Entrance Test

अनुक्रम (Contents)

क्रम संख्या		अनुक्रम
1.		प्रारंभिक शिक्षा का डिप्लोमा Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.)
2.		अवधि (Duration)
3.		शैक्षणिक योग्यता (Educational Eligibility)
4.		उम्र सीमा (Age Limit)
5.		प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process)
6.		आरक्षण (Reservation)
	6.1	ऊर्ध्वाधर आरक्षण (Vertical Reservation)
	6.2	क्षैतिज आरक्षण (Horizontal Reservation)
7.		प्रवेश परीक्षा (Entrance Test)
	7.1	प्रवेश परीक्षा की अवधि (Duration of Entrance Test)
	7.2	प्रवेश परीक्षा का प्रारूप (Pattern of Entrance Test)
	7.3	न्यूनतम योग्यता अंक (Minimum Qualifying Marks)
	7.4	डी.एल.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
8.		संस्थान आवंटन
	8.1	ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया
	8.2	ऑनलाईन आवेदन शुल्क
	8.3	प्राथमिकता (Merit-cum-choice) के अनुसार संस्थान आवंटन प्रक्रिया
9.		सरकार की अधिसूचना संख्या 12/विविध–11/2016/100 दिनांक– 22.04.2020 का सारांश
अनुसूची		D.El.Ed. कोर्स हेतु राज्य के NCTE द्वारा मान्यता प्राप्त एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा संबंद्धता प्रदत्त सरकारी एवं गैरसरकारी प्रशिक्षण संस्थानों की सूची

डी.एल.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा

D.El. Ed. Joint Entrance Test

सरकार के आदेशानुसार बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना से संबंद्ध बिहार के सभी सरकारी एवं गैर–सरकारी एन०सी०टी०ई० से मान्यता प्राप्त एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से सम्बद्ध अध्यापक शिक्षा संस्थानों में संचालित 'प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा' (डी.एल.एड.) पाठ्यक्रम में सत्र 2022–24 से नामांकन डी.एल.एड. ऑनलाईन संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ली जा रही है। सत्र 2026–28 में भी नामांकन ऑनलाइन संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से ही होगा। सत्र 2026–28 में नामांकन के लिए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किया जाएगा। ऑनलाइन परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार तैयार मेधा सूची के अभ्यर्थियों का विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों हेतु प्राप्त विकल्प में से प्राथमिकता के आधार पर संस्थान का आवंटन किया जायगा।

1. प्रारंभिक शिक्षा का डिप्लोमा (Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.)

1.1 प्रारंभिक शिक्षा का डिप्लोमा (डी.एल.एड.) अध्यापक शिक्षा का दो वर्ष का व्यावसायिक कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य शिक्षा की प्रारंभिक अवस्था अर्थात् कक्षा I से VIII तक के लिए अध्यापकों को तैयार करना है। प्रारंभिक शिक्षा का उद्देश्य समाज की सक्रिय सहभागिता से सामाजिक और लिंग अन्तरों को दूर करते हुए समावेशी स्कूल पर्यावरण में सभी बच्चों की शिक्षा प्राप्त करने की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

The Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.) is a two year professional programme of teacher education. It aims to prepare teacher for the elementary stage of education, i.e. classes I to VIII. The aim of elementary education is to fulfill the basic learning needs of all children in an inclusive school environment bridging social and gender gaps with the active participation of the community.

1.2 प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम को विभिन्न नामों से पूर्व में जाना जाता था, जैसे बीटीसी, जेबीटी, डी. एड. (डिप्लोमा इन एजुकेशन) लेकिन इस कार्यक्रम को देश के सभी राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा का डिप्लोमा (डिप्लोमा इन एलीमेंटरी एजुकेशन (डी.एल.एड.) के नाम से जाना जायेगा।

The elementary teacher education programme carries different nomenclatures of the programme shall be the same across all states and it shall be referred to as the "Diploma in Elementary Education" (D.El.Ed.)

1. अवधि (Duration)

डी.एल.एड. कार्यक्रम दो शैक्षणिक–वर्षो की अवधि वाला होगा किन्तु, विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में प्रवेश की तारीख से अधिकतम तीन वर्ष तक की अवधि में इस कार्यक्रम को पूरा करने की अनुमति होगी।

The D.El.Ed. Programme shall be of a duration of two academic years. However, the students shall be permitted to complete the programme within a maximum period of three years from the date of admission to the programme.

2.1 प्रत्येक वर्ष में कार्य करने के कम से कम दो सौ दिन होंगे, जिसमें परीक्षा और प्रवेश की अवधि शामिल नहीं होगी।

There shall be at least two hundred working days each year exclusive of the period of examination and admission.

2.2 संस्था सप्ताह (पांच अथवा छः दिन) में कम से कम छत्तीस घंटे कार्य करेगी, जिसके दौरान संस्था में सभी अध्यापकों और विद्यार्थी अध्यापकों का उपस्थित रहना आवश्यक है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर सलाह, मार्गदर्शन, वार्तालाप और परामर्श के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। The institution shall work for a minimum of thirty six hours in a week (five or six days) during which physical presence in the institution of all the teachers and student teacher is necessary to ensure their availability for advice, guidance, dialogue and consultation as and when needed.

2.3 विद्यार्थी–अध्यापकों के लिए सारे पाठ्यक्रम कार्य के लिए, जिसमें प्रयोगात्मक कार्य भी शामिल है, न्यूनतम उपस्थिति 80 प्रतिशत और स्कूल स्थानबद्ध प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) के लिए 90 प्रतिशत होगी। The minimum attendance of student-teachers shall be 80% for all course work including practicum, and 90% for school internship.

3 **प्रशिक्षण संस्थानों में नामांकन हेतु शैक्षणिक योग्यता (Educational Eligibility for admission in Training Institutions)**

3.1 उच्च माध्यमिक (+2) अथवा उसके समकक्ष परीक्षा में कम से कम **50%** अंकों वाले उम्मीदवार D.El.Ed पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र है।

Candidates with at least 50% marks in the higher secondary (+2) or its equivalent examination are eligible for admission in D.El.Ed Course.

3.2 नामांकन हेतु सभी आरक्षित कोटि/निःशक्त उम्मीदवारों के लिए अर्हता अंकों में 5% की छूट होगी।

Relaxation in eligibility marks of 5% will be allowed to all the reserved category/disabled category condidates in the admission process.

3.3 50 प्रतिशत अंकों के साथ मौलबी की परीक्षा पास करने वाले उर्दू अभ्यार्थी डी.एल.एड पाठ्यक्रम में नामांकन के पात्र होंगे।

3.4 डी०एल०एड० पाठ्यक्रम में नामांकन लेने हेतु आयोजित होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए **वैसे अभ्यर्थी भी आवेदन जमा कर सकेंगे जो उस वर्ष की उच्च माध्यमिक (+2) अथवा उसके समकक्ष की वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं। लेकिन** D.El.Ed **पाठ्यक्रम में नामांकन उच्च माध्यमिक (+2) अथवा उसके समकक्ष की परीक्षा में 50 प्रतिशत (आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को 05 प्रतिशत की** छूट) अंक पाकर उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थी का होगा।

3.5 **वैसे अभ्यर्थी जो शास्त्री, पोलीटेक्नीक, आई०टी०आई० या अन्य प्रकार की योग्यता रखते है, वे डी०एल०एड० कोर्स में नामांकन के पात्र नहीं होगे। लेकिन किसी अभ्यर्थी ने 10+2 में वोकेशनल कोर्स के अन्तर्गत योग्यता हासिल की है अथवा जिन्होंने मध्यमा के बाद इन्टर, 10+2 अथवा फौकानियां के बाद इन्टर, 10+2 की योग्यता हासिल की है वे डी०एल०एड० कोर्स में नामांकन के पात्र होगें।**

4 **उम्र सीमा (Age Limit) :** अभ्यर्थी की न्यूनतम उम्र सीमा 17 वर्ष (नामाकंन वर्ष के प्रथम माह की प्रथम तिथि को) (सभी कोटि के लिए)

5 **प्रवेश प्रक्रिया (Admission Process)**

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित डी.एल.एड. ऑनलाईन संयुक्त प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंक के आधार पर तैयार मेधा सूची (Merit List) के अनुसार बिहार के सभी सरकारी एवं गैर–सरकारी संबंद्धता प्राप्त अध्यापक शिक्षा संस्थानों में 'प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा' (डी.एल.एड.)

कोर्स में नामांकन हेतु बिहार राज्य सरकार के आरक्षण नियमों के अनुसार, सरकार द्वारा उर्दू/कला एवं विज्ञान विषयों के लिए निर्धारित स्थानों तथा अभ्यर्थियों द्वारा कॉलेज के लिए दी गयी प्राथमिकता (College Choice) को दृष्टिपथ में रखते हुए Online कम्प्यूटरकृत रूप से अभ्यर्थियों को कॉलेज आवंटित किया जाएगा।

6. आरक्षण (Reservation)

6.1 ऊर्ध्वाधर आरक्षण (Vertical Reservation): डी.एल.एड. (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में) प्रवेश में अनुसूचित जातियों (S.C.), अनुसूचित जातियों (S.T.), पिछड़ा वर्ग (B.C.), अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (E.B.C.) एवं आर्थिक रूप से पिछड़े सामान्य कोटि के अभ्यर्थियों (E.W.S.), के पक्ष में क्रमशः 20 प्रतिशत, 02 प्रतिशत, 18 प्रतिशत, 25 एवं 10 प्रतिशत की सीमा तक आरक्षण बिहार सरकार की अधिसूचना/शासनादेश के अनुसार देय होगा।

6.2 क्षैतिज आरक्षण (Horizontal Reservation):

(i) सरकारी नियमानुसार कुल स्वीकृत सीटों में से दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए पाँच प्रतिशत (5%), बिहार राज्य के निवासी सेवारत/ सेवानिवृति/दिवंगत/भूतपूर्व सैनिक कर्मचारी के आश्रित पुत्र/आश्रित अविवाहित पुत्री को पाँच प्रतिशत (5%), क्षैतिज आरक्षण देय होगा।

(ii) उर्दू विषय के अभ्यर्थियों के लिए 10 प्रतिशत स्थान आरक्षित होगा। क्षैतिज आरक्षण के रूप यह आरक्षण लागू होगा, परंतु यह आरक्षण लाभ उन्हीं अभ्यर्थियों को मिलेगा जिन्होंने +2 स्तर की परीक्षा में उर्दू विषय के साथ उत्तीर्णता हासिल की है।

(iii) सभी संस्थानों में कुल सीट का 50 प्रतिशत विज्ञान तथा 50 प्रतिशत कला/वाणिज्य के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित होगा। परन्तु तीसरे दौर के नामांकन के बाद अगर किसी संस्थान में विज्ञान विषय के लिए आरक्षित स्थान में रिक्तियाँ रह जाती है और विज्ञान विषय में नामांकन के लिए कोई उम्मीदवार शेष नही रह जाता है तो उन रिक्तियों को कला एवं वाणिज्य के अभ्यर्थियों से और ठीक इसी तरह अगर कला एवं वाणिज्य विषय के लिए आरक्षित स्थान में रिक्तियाँ रह जाती है और इस विषय में नामांकन के लिए कोई अभ्यर्थी शेष नही रह जाता है तो विज्ञान विषय के अभ्यर्थियों का नामांकन रिक्त स्थानों पर हो सकता है।

7. प्रवेश परीक्षा (Entrance Test)

प्रवेश परीक्षा ऑनलाईन माध्यम (Computer Based Test) से आयोजित होगी। इस परीक्षा में 120 प्रश्न होंगे जो वस्तुनिष्ट एवं बहुबैकल्पिक होंगे। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए समिति द्वारा अलग से स्थानीय समाचार पत्रों में सूचना प्रकाशित की जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी उक्त सूचना में वर्णित विधि के अनुसार ऑनलाईन माध्यम से ऑनलाईन परीक्षा आवेदन पत्र तथा ऑनलाईन परीक्षा शुल्क जमा करेंगे। प्रवेश परीक्षा में सभी परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई जायेगी।

परीक्षा शुल्क (Fee)

	श्रेणी	आवेदन शुल्क
1	सामान्य कोटि/आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य कोटि के अभ्यर्थी/पिछड़ा वर्ग/अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	960/–रू०
2	अनुसूचित जाति/अनु० जनजाति/दिव्यांग	760/–रू०

7.1 **प्रवेश परीक्षा की अवधि (Duration of Entrance Test)**

प्रवेश परीक्षा की अवधि 150 मिनट (2.30 Hrs.) की होगी।

7.2 **प्रवेश परीक्षा का प्रारूप (Pattern of Entrance Test)**

क्रम सं०	विषय	प्रश्नों की संख्या	निर्धारित अंक
1	सामान्य हिन्दी (General Hindi)/उर्दू (Urdu)	25	25
2	गणित (Mathematics)	25	25
3	विज्ञान (Science)	20	20
4	समाजिक अध्ययन (Social Studies)	20	20
5	सामान्य अंग्रेजी (General English)	20	20
6	तार्किक एवं विश्लेशणात्मक क्षमता (Logical & Analytical Reasoning)	10	10
	कुल–	120	120

प्रत्येक सही उत्तर के लिए 01 (एक) अंक दिये जायेंगे।

7.3 D.El.Ed **परीक्षा में न्यूनतम योग्यता अंक** (Minimum Qualifying Marks)

D.El.Ed **संयुक्त प्रवेश परीक्षा में न्यूनतम अर्हक अंक** (Minimum Qualifying Marks) **अनारक्षित श्रेणी के लिए 35 प्रतिशत और आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए 30 प्रतिशत होंगे।**

7.4 **डी.एल.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम**

7.4.1 **सामान्य हिन्दी (General Hindi):- मैट्रिक स्तरीय**

संधिः प्रकार सहित, समासः रचना और प्रकार सहित, संक्षेपणः अनेक तरह के गद्यावतरणों के संक्षेपण से संबद्ध अभ्यास, पारिभाषिक एवं तकनीकी शब्दः उदाहृत वाक्यों में व्यवहृत शब्दों से ऐसे शब्दों की पहचान, मुहावरे और लोकोक्तियाँः वाक्य–प्रयोग, वाक्य–शुद्धि, पदबंध, वाच्य एवं उनके भेद, वाक्य–प्रकार।

साहित्यशास्त्रः शब्द–शक्तिः व्यंजना, अलंकारः अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विरोधाभास, छंद प्रमुख वार्णिक छंद, काव्य–गुण, रस आदि।

7.4.2 **सामान्य अंगेजी (General English):- मैट्रिक स्तरीय**

Grammatical items and structures:

(a) Reinforcement of items like:

- Sequence of Tenses in Connected speech
- Reported speech in extended texts
- Use of non-finites
- Passive Voice

- Punctuation marks (Semicolon, Colon, Dash, hyphen, parenthesise or use of brackets and exclamation mark)
- Preposition
- Synthesis using cohesive device

(b) Phrases and idioms including phrasal verbs and prepositional phrases
(c) Clauses: Conditional Clauses
(d) Subject- Verb Agreement

7.4.3 गणित (**Mathematics**):- **मैट्रिक स्तरीय**

- संख्या–पद्धति –वास्तविक संख्या
- बीजगणित – बहुपद दो चर वाले रैखिक समीकरण, बहुपद दो चर में रैखिक युगपद, समीकरण, द्विघात समीकरण, अंकगणित आवृत्ति।
- व्यवसायिक गणित – शेयर एवं लाभांश, बट्टा, चक्रवृद्धि ब्याज, किस्तों में भुगतान
- नियामक ज्यामिति – नियामक ज्यामिति
- ज्यामिति – युक्लिड की ज्यामिति रेखाएँ एवं कोण, त्रिभुज, चतुर्भज, क्षेत्रफल, वृत्त, बनावट, त्रिभुज, वृत, बनावट
- क्षेत्रमिति – क्षेत्रफल पृष्ठ क्षेत्रफल, समतल क्षेत्र का क्षेत्रफल, पृष्ठों का क्षेत्रफल एवं आयतन
- सांख्यिकी – सांख्यिकी सहायक पाठ
- त्रिकोणिमिति – त्रिकोणमितीय अनुपाद, त्रिकोणमितीय तादात्म्य

7.4.4 विज्ञान (Science) :– **मैट्रिक स्तरीय**

- पादप एवं जन्तु जनन एवं गुणवत्ता सुधार के लिए चयन उर्वरक एवं खाद का उपयोग करने एवं कीट रोगों से बचाव, जैव कृषि।
- वाष्पीकरण, उष्मा का अवशोषण।
- ठोस, द्रव और गैस विशिष्टता – आकार, आयतन, घनत्व पदार्थ की अवस्था में परिवर्तन–द्रवण, जमना, वाष्पीकरण, सुघनन, उर्ध्वपातन।
- तत्व, यौगिक और मिश्रण समांगी और असमांगी मिश्रण। कोल्वायड्स और निलंबन, मूल इकाई अणु और परमाणु। स्थिर अनुपात का नियम। आणविक और परमाणविक संहतियाँ। मोल की अवधारणा, कण की संहति और संख्या के साथ मोल का संबंध संयोजकता, सामान्य योगिकों के रासायनिक सूत्र। परमाणु सूक्ष्मतम कणों इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन और न्यूट्रॉन से बनते हैं। समस्थानिक (Isotope) समभारिक (Isobars)
- पौधे और जन्तुओं में विविधता– वैज्ञानिक नामाकरण के आधारभूत मुद्दे, वर्गीकरण का आधार। वर्गों एवं समूहों का पदानुक्रम – पौधे के प्रमुख समूल (विशेष लक्षण–बैक्टिरिया, थैलोफाइटा, ब्रायोफाइटा, टेरीडोफाइटा, जिमनोस्पर्म एवं एंजीओस्पर्म)
- जन्तुओं के प्रमुख समूह–अकशेरूकी–फाइलम (संध) तक, कशेरूकी – क्लास (वर्ग) तक कोशिका जीवन की आधारभूत इकाई के रूप में प्रोकारियोट एवं यूकारियोट कोशिका, बहुकोशिकीय जीव–कोशिका झिल्ली एवं कोशिका भित्ति, कोशिकांग

385

- क्लोरोप्लास्ट, माइटोकोण्ड्रिया, रिक्तिकाएँ, अंतः द्रव्य जालिका, गॉलजीकाय केन्द्रक, क्रोमोजोम की आधारभूत संरचना एवं संख्या। जैविक गठन के स्तर – उत्तक, अंग, अंगतंत्र एवं जीव। पादप एवं जन्तु उत्तक की संरचना तथा कार्य (चार प्रकार के जन्तुओं में) तथा विभज्योतक और स्थायी उत्तक पौधों में।
- सूक्ष्मजीवों (जीवाणु, विषाणु एवं प्रोटोजोआ) से उत्पन्न होने वाले रोग एवं बचाव।
- पदार्थों का अन्तर्कोशिकीय एवं किसी लिविंग सिस्टम में कोशिकीय वातावरण में विसरण/विनिमय, पोषण, जल एवं खाद्य पदार्थों का परिवहन, उत्सर्जन, गैसीय आदान–प्रदान में विसरण। विनियम की भूमिका।
- गति–विस्थापन, वेग समान वेग एवं असमानवेग का सरल रेखीय अध्ययन, त्वरण, समान और समान त्वरित गति के लिए वेग–समय ग्राफ, ग्राफीय विधि द्वारा गति के समीकरण, समान वृत्तीय गति का प्रारंभिक ज्ञान
- बल और गति, न्यूटन के गति नियम, पिंड का जड़त्व, जड़त्व और संहति संवेग, बल और त्वरण, संवेग–संरक्षण का सिद्धांत (प्रारंभिक ज्ञान), क्रिया–प्रतिक्रिया बल गुरूत्वाकर्षण, गुरूत्वाकर्षण के सर्वव्यापी नियम पृथ्वी का गुरूत्वाकर्षण बल (गुरूत्व), गुरूत्व के कारण त्वरण, संहति और भार, स्वतंत्र रूप से गिरता हुआ पिंड।
- कार्य, ऊर्जा और शक्ति – बल के द्वारा किया गया कार्य, ऊर्जा, शक्ति, गतिज एवं स्थैतिज ऊर्जा, ऊर्जा के संरक्षण का नियम।
- तैरती हुई वस्तुएँ – दाब और प्रणोद, आर्कमिडीज का सिद्धांत, उत्पलावन, आपेक्षिक घनत्व का प्रारंभिक ज्ञान।
- ध्वनि की प्रकृति और इसका विभिन्न माध्यमों में अभिगमन, ध्वनि वेग, मानव के सुनने का दायरा, पराध्वनि (अल्ट्रासाउण्ड) ध्वनि का परावर्तन, प्रतिध्वनि और सोनार, मानव–कान की संरचना (मात्र सुनने की प्रक्रिया)
- प्राकृतिक संसाधन प्रकृति में संतुलन – भौतिक संसाधन : वायु, जल और मिट्टी, श्वसन हेतु, दहन हेतु, तापक्रम को सीमित या विकरण करने हेतु, वायु की भूमिका, वायु का चलना एवं पूरे भारत में वर्षा लाने (मानसून) में इनकी भूमिका।
- वायुजल एवं मृदा प्रदूषण (संक्षिप्त परिचय) ओजोन परत में छेद एवं इसके संभावित खतरे। जैव–भू रासायनिक चक्रण, जलीय चक्र, ऑक्सीजन चक्र, कार्बन चक्र एवं नाइट्रोजन चक्र।
- अम्ल, भस्म और लवण सामान्य गुण, उदाहरण और उपयोग। रासायनिक प्रतिक्रियाओं के प्रकार– संयोगी प्रतिक्रिया, विघटन प्रतिक्रिया विस्थापन प्रतिक्रिया, द्विविस्थापन प्रतिक्रिया, अवक्षेपण प्रतिक्रिया, उदासीनीकरण हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की प्राप्ति तथा हानि के संदर्भ में ऑक्सीकरण एवं अवकरण की व्याख्या।
- धातुकर्मीय प्रक्रिया/धात्विकी, सामान्य धातुओं के गुण रासायनिक बंधन/आबंद का सामान्य ज्ञान कार्बन के यौगिक और इसके संदर्भ में रासायनिक आबंद का सामान्य ज्ञान संतृप्त हाइड्रोकार्बन, एल्कोहल कार्बोक्सिलिक एसिड।
- तत्वों के वर्गीकरण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तत्वों मेंडलीफ की आवर्त तालिका तत्वों के गुणों का परिवर्तन।
- हमारा पर्यावरणः पर्यावरण की समस्याएँ–हम क्या कर सकते है? जैव विघटित, जैव अविघटित ओजोन क्षरण।
- सजीव को परिभाशित करें। पौधों एवं जन्तुओं में पोशण, श्वसन, परिवहन एवं उत्सर्जन की मौलिक अवधारणा। जड़ नीचे की तरफ क्यों बढ़ते हैं, क्या हम उन्हें ऊपर की तरफ बढ़ा सकते हैं? तना ऊपर की तरफ क्यों बढ़ता है? पौधों में गति/ पौधों के हार्मोन एक

परिचय/जन्तुओं में नियंत्रण तथा समन्वय ऐच्छिक अनैच्छिक तथा प्रतिवर्ती क्रियाएँ–तंत्रिका तन्त्र, रासायनिक समन्वय जन्तु हॉर्मोन।

- पौधे से जन्तुओं में प्रजनन, परिवार–नियोजन की विधियों का अध्ययन, सुरक्षित यौन संबंध/HIV/AIDS। गर्भवती महिला एवं महिला का स्वास्थ्य।
- अनुवांशिकी एवं जैव विकास– अनुवांशिकी: जीवन की उत्पत्ति का संक्षिप्त परिचय जैव विकास के मौलिक सिद्वान्त।
- विधुत परिपथ– विभवान्तर, विभव ओह्म का नियम प्रतिरोधों का श्रेणीक्रम प्रतिरोधों का समांतर क्रम संयोजन विधुतधारा के कारण विधुत शक्ति का अपव्यय (Power dissipated) PVI और R में अन्तः संबंध।
- चुम्बक– चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीय बल रेखाएँ धारावाहित तार के कारण चुम्बकीय क्षेत्र कुंडली में प्रवाहित धारा के कारण चुम्बकीय क्षेत्र। धारावाहित चालक पर बल, फ्लेमिंग का वाम हस्त नियम विद्युत मोटर विधुत चुम्बकीय अभिप्रेरण (Electromagentic Induction) अभिप्रेरित विभवान्तर, अभिप्रेरित धारा। विधुत जनित्र (Electric Generator) सिद्धांत और कार्य। दिश्ट धारा, प्रत्यावर्त्ती धारा, प्रत्यावर्त्ती धारा की आवृत्ति, प्रत्यावर्त्ती धारा का दिश्ट धारा पर लाभ। घरेलू विघुत परिपथ।
- अभिसरित और अपसरित प्रकाश (Convergence and divergence of light) अवतल दर्पण द्वारा प्रतिबिम्ब का बनना। समबद्ध अवधारणाएँ यथा वक्रता केन्द्र, प्रधान अक्ष प्रकाश केन्द्र, फोकस, फोकसदूरी। अपवर्त्तन, अपवर्त्तन के नियम उत्तल लेंस के द्वारा प्रतिबिबों का बनना मानव आँख में लेंस का कार्य, दृश्टि की समस्याएँ एवं उनका निवारण गोलीय दर्पणों और लेंसों का प्रयोग अपवर्त्तन की अवधारणा, प्रकाश का वेग, सापेक्ष अपवर्त्तनांक, तारे का टिमटिमाना प्रकाश का वर्ण– विक्षेपण प्रकाश का प्रकीर्णन।
- प्रकृतिक संसाधन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण– प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा यथोचित उपयोग, वन तथा वन्य प्राणी, कोयला तथा पेट्रोलियम का संरक्षण आम लोगों की सहभागिता, चिपको आंदोलन, विश्व परिदृश्य के संदर्भ में संरक्षण के कानूनी पहलू (लीगल प्रोस्पेक्टिव)।
- ऊर्जा के स्त्रोत– मानव के व्यवहार के लिये ऊर्जा के विभिन्न रूप तथा विभिन्न स्रोत, जीवाश्म ईंधन और सौर ऊर्जा, बायोगैस, जल तथा ज्वारीय ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा। ऊर्जा के नवीकरणीय तथा अनवीकरणीय स्रोत।

7.4.5 सामाजिक अध्य्यन (Social Studies) :–मैट्रिक स्तरीय

- भौगोलिक खोज– भौगोलिक खोजों का परिणाम
- अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम
- फ्रांस की क्रांति
- नाजीवाद एवं हिटलर
- प्रथम विश्वयुद्ध एवं द्वितीय विश्वयुद्ध
- आदिवासी समाज और उपनिवेशवाद– आदिवासी समाज में उपनिवेशवाद के विरूद्ध गोलबंदी बिरसा मुण्डा, चुआड़, तिलका माँझी, बसरा आदि।
- कृषि और खेतिहर समाज, वर्तमान समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परिवर्तन, संदर्भ बिहार–केला, गन्ना, गेहूँ, लीची, संयुक्त राज्य अमेरिका–गेहूँ कपास।
- राष्ट्रसंघ, राष्ट्रसंघ का प्रयास, राष्ट्रसंघ की विफलता, संयुक्त राष्ट्र संघ,

- यूरोप में राष्ट्रवाद– 1830 ई० के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद का विकास, मेजिनी आदि का विचार, पोलैण्ड, हंगरी, इटली, जर्मनी, ग्रीस आदि के आन्दोलनों की सामान्य विषेशताएँ।
- समाजवाद एवं साम्यवाद–1917 के वॉल्शेविक क्रांति।
- हिन्द–चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन– हिन्द चीन में फ्रांसीसी उपनिवेशवाद, फ्राँसीसियों के विरूद्ध क्रमिक संघर्ष फान–दिन, फाँग–फाँग, बोइ चार, नागू एन कस क्यू, द्वितीय विश्वयुद्ध और मुक्ति संघर्ष, अमेरिका और द्वितीय विश्वयुद्ध।
- भारत में राष्ट्रवाद (1914–1930)– प्रथम विश्वयुद्ध के कारण और परिणाम का भारत से अंर्तसंबंध, खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन (पृष्ठभूमि, कारण, परिणाम), किसान, मजदूर और जन–जातियों का विद्रोह, विभिन्न राजनीतिक पार्टियों की गतिविधियाँ।
- अर्थव्यवस्था और आजीविका–औधोगिकीकरण (1850–1950), ब्रिटेन और भारत में औद्योगिकीकरण, औद्योगिक उत्पादन एवं कुटीर, उद्योगों के बीच संबंध, मजदूरों की आजीविका (ब्रिटेन और भारत), संगठित और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले ब्रिटेन और भारत के मजदूरों का जीवन–स्तर
- शहरीकरण एवं शहरी जीवन
- व्यापार और भूमंडलीकरण–19वीं तथा प्रारंभिक 20 वीं शताब्दी में विश्वबाजार का विस्तार और एकीकरण, दो महायुद्धों के दरम्यान व्यापार और अर्थव्यवस्था, 1950 ई० के दशक के बाद परिवर्तन
- प्रेस, संस्कृति और राष्ट्रवाद–19वीं सदी के भारत में प्रेस का विकास, प्रिन्ट– संस्कृति, आम–बहस और राजनीतिक सम्बन्ध।
- स्थिति एवं विस्तार– विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति, भारत का भौगोलिक विस्तार।
- अपवाह स्वरूप–अपवाह तंत्र, नदियाँ, जलाशय, मानव सभ्यता की जीवन रेखा के रुप में नदियाँ, नदियों का संरक्षण एवं प्रदूषण के रोकथाम के उपाय, मानव जीवन पर प्रभाव।
- भारतीय जलवायु की प्रभावित करने वाले कारक।
- प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य–प्राणी–वनस्पतियों के प्रकार, महत्व, वितरण, वनों में निवास करने वाले जीव–जंतुओं की उपयोगिता, महत्व, वनस्पति एवं जीव जंतुओं का संरक्षण।
- जनसंख्या–जनसंख्या का आधार– घनत्व, वितरण, जनसंख्या परिवर्तन को निर्धारित एवं प्रभावित करने वाले कारक– वृद्धि, प्रवजन, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधायें, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, जनसंख्या वृद्धि के दुष्प्रभाव।
- भारत के पड़ोसी देश–स्थिति एवं विस्तार, संक्षिप्त परिचयः नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्री लंका एवं पाकिस्तान, जलवायु की विशेषताएँ, उद्योग–धंधे एवं खनिज, उद्योग–धंधों का अर्थव्यवस्था का प्रभाव।
- मानचित्र अध्ययन–मापक–परिभाषा, उपयोगिता, मापक प्रदर्श की विधियाँ, सरल तथा तुलनात्मक मापक।
- क्षेत्रीय अध्ययन–भुमिगत जलस्तर में गिरावटः कारण एवं उपाय, भूमिः उपयोग के स्वरुप में परिवर्तन, प्रदूषणः प्रकार, कारण एवं बचाव।
- संसाधन–संसाधन का महत्व, प्रकार, संसाधन नियोजन, संसाधनों का महत्व, सतत विकास की अवधारणा, प्राकृतिक संसाधन–भूमि संसाधन, मृदा निर्माण, मृदा के प्रकार एवं वितरण, भूमि उपयोग का बदलता स्वरुप, भूक्षरण और भूसंरक्षण।

- कृषि संसाधन, रोजगार, उत्पादन, खाद्य सुरक्षा, वैश्वीकरण एवं कृषि पर इसका प्रभाव, पशुपालन और मत्स्य पालन।
- जल–संसाधन–जल के स्रोत, वितरण, जल संसाधन का उपयोग, बहुद्देशीय परियोजनाएँ, जल संकट, जल–संरक्षण एवं प्रबन्धन की आवश्यकता, वर्षा जल–संग्रहण एवं उसका पुनर्चक्रण, सोन परियोजना का अध्ययन।
- खनिज संसाधन– खनिजों के प्रकार, वितरण, खनिजों का आर्थिक महत्व एवं खनिजों का संरक्षण।
- वन एवं वन्य प्राणी संसाधन–प्रकार, वितरण, वन सम्पदा तथा वन्य जीवों का ह्रास एवं संरक्षण, वन्यजीव एवं जैव विविधता की उपयोगिता।।
- शक्ति संसाधन–शक्ति संसाधन के प्रकार, परम्परागत एवं गैर–परम्परागत शक्ति के साधन, वितरण, उपयोग तथा संरक्षण।
- निर्माण उद्योग–उद्योगों का वर्गीकरण, क्षेत्रीय वितरण, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उद्योगों का योगदान, वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, उद्योगों से उत्पन्न प्रदूषण का प्रभाव, प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय।
- परिवहन, संचार और व्यापार– परिवहन के प्रकार एवं महत्व। संचार के माध्यम एवं उनका महत्व। राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय व्यापार पर परिवहन एवं संचार के साधनों का प्रभाव। जन–जीवन पर प्रभाव।
- बिहार प्राकृतिक संसाधन एवं जनसंख्या– कृषि संसाधन, जल संसाधन, वन, वन्य–जीव एवं संरक्षण, खनिज संसाधन, शक्ति संसाधन। उद्योग एवं परिवहन। जनसंख्या आकार, घनत्व वितरण। नगरों का विकास।
- समकालीन विश्व में लोकतंत्र
- लोकतंत्र का व्यापक अर्थ।
- संविधान निर्माण–भारतीय संविधान की विशेषताएँ।
- लोकतंत्र में चुनावी राजनीति
- भारत में चुनावी प्रणाली: (क) निर्वाचन क्षेत्र (आरक्षित/अनारक्षित) (ख) मतदाता–सूची (ग) चुनाव–अभियान (घ) मतदान और मतगणना
- संसदीय लोकतंत्र की संस्थाएँ– संसदीय लोकतंत्र में निर्णय करने वाली संस्थाएँ (क) संसद (ख) राष्ट्रपति/प्रधानमंत्री एवं मंत्रीपरिषद् (ग) उच्चतम न्यायालय तीनों संस्थाओं के अंर्तसंबंध।।
- लोकतांत्रिक अधिकार– मौलिक अधिकार, अधिकारों का बढ़ता दायरा, मानवाधिकार, सूचना का अधिकार।
- सत्ता की साझेदारी– लिंग भेद एवं साम्प्रदायिक विभेदों

- सत्ता में साझेदारी की कार्य–प्रणाली लोकतंत्र में प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष– प्रतिस्पर्धा एवं संघर्ष के अर्थ: जनसंघों की भूमिका राजनीतिक दल क्या हैं? भारत के प्रमुख राजनीतिक दल (राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय) राजनीतिक दलों में प्रतिस्पर्धा का लोकतंत्र के सशक्तीकरण एवं राष्ट्रीय विकास में योगदान।
- लोकतंत्र की उपलब्धियाँ–(क) उत्तरदायी एवं वैध शासन। (ख) आर्थिक संवाद और विकास। (ग) सामाजिक विषमता और सामंजस्य। भारतीय लोकतंत्र कितना सफल है? भारत में लोकतंत्र की सफलता के कारक तत्व।
- लोकतंत्र की चुनौतिया

7.4.6 तार्किक एवं विश्लेषणात्मक क्षमता (Logical & Analytical Reasoning)

- Analogy, Classification, Series, Coding-Decoding, Blood Relations, Direction Sense Test, Logical Venn Diagrams, Alphabet Test, Sitting Arrangements, Mathematical Operations, Arithmetical Reasoning, inserting the Missing Character, Number, Ranking and Time, Sequence Test, Eligibility Test.
- **7.4.7 उर्दू (Urdu) मैट्रिक स्तरीय**

1. کلمہ اور اس کی قسمیں
2. اسم اور اس کی قسمیں
3. ضمیر اور اس کی قسمیں
4. صفت اور اس کی قسمیں
5. فعل اور اس کی قسمیں
6. فعل ماضی اور اس کی قسمیں ، متعلق فعل
7. جملہ اور اس کی قسمیں
8. حروف
9. سابقے اور لاحقے
10. مترادفات
11. کلمات ضرب الامثال (تعریف اور جامع فہرست)
12. اعراب کے فرق سے معنی کا فرق
13. اضداد کی جامع فہرست
14. واحد جمع کی جامع فہرست
15. اعراب و علامات اور ان کا ستعمال حرف بردی
16. مطلع ، حسن مطلع، قافیہ ، ردیف اور مقطع کی تعریف
17. مختلف اصناف سخن کی تعریف ، غزل ،مثنوی، قصیدہ، رباعی ، مثلثہ،
18. مرثیہ، آزاد نظم، نظم معریٰ
19. خطوط نویسی
20. مضمون نگاری

8. संस्थान आवंटन (Institution Allotment)

8.1 ऑनलाईन आवेदन प्रक्रियाः—

सम्पूर्ण राज्य में NCTE द्वारा मान्यता प्राप्त एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा सम्बद्धता प्रदत्त प्राथमिकस्तरीय सरकारी एवं गैर—सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों में कुल स्वीकृत सीटों के लिए चयनित अभ्यर्थियों द्वारा संस्थान आवंटन के लिए ऑनलाईन आवेदन लिया जायेगा। अभ्यर्थियों के द्वारा आवेदन प्रपत्र (Application Form) के साथ अपनी शैक्षणिक योग्यता, उम्र एवं जाति इत्यादि संबंधी दस्तावेज की स्कैन कॉपी भी ऑनलाईन जमा (UPLOAD) किया जायेगा। साथ ही अभ्यर्थी द्वारा आवेदन में अपनी इच्छानुसार न्यूनतम पाँच प्रशिक्षण संस्थानों तथा अधिकतम तीस प्रशिक्षण संस्थानों के विकल्प की प्राथमिकता भी अंकित की जायेगी। सभी अभ्यर्थियों के परीक्षोपरांत प्राप्तांक के आधार पर कोटिवार वृहत् मेधा सूची तैयार की जायेगी। उक्त मेधा सूची ही संस्थान आवंटन का आधार होगा।

8.2 ऑनलाईन आवेदन शुल्क

	श्रेणी	आवेदन शुल्क
1.	सामान्य कोटि/आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य कोटि के अभ्यर्थी/पिछड़ा वर्ग/अत्यन्त पिछड़ा वर्ग	500/—रू
2.	अनुसूचित जाति/अनु० जनजाति/दिव्यांग	350/—रू

8.3 प्रथम चरण में नामांकन की कुल सीटों के विरूद्ध अभ्यर्थियों का चयन एवं संस्थान का ऑनलाइन आवंटन मेधा सूची एवं अभ्यर्थियों द्वारा संस्थानों के लिए दी गयी की प्राथमिकता (Merit-Cum-choice) के आधार पर किया जाएगा। पुनः रिक्त सीटों के विरूद्ध क्रमिक रूप से आवश्यकतानुसार क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय चरण में संस्थान आवंटन ऑनलाईन किया जायेगा। आवंटित प्रशिक्षण संस्थान में अभ्यर्थियों से नियमानुसार नामांकन शुल्क लिया जायेगा।

9. :—"सरकार की अधिसूचना विविध—11/2016/338 दिनांक 22.6.2022 के आलोक में बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित ऑनलाईन संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों का उनके मेधा अंक एवं प्राप्त विकल्प (Merit-Cum-choice) के आधार पर ही नियमानुसार राज्य के उपर्युक्त कोटि के सभी राजकीय एवं अराजकीय महाविद्यालयों/संस्थानों में नामांकन की कार्रवाई की जा सकेगी। सत्र 2022—24 से ही उपर्युक्त कोटि के सभी प्रशिक्षण संस्थानों/ महाविद्यालयों को अपने स्तर से सीधे विज्ञापन निकालकर नामांकन लेना प्रतिबंधित किया जा चुका है।"

अनुसूचीः— प्रवेश हेतु राज्य NCTE से मान्यता एवं बिहार विद्यालय परीक्षा समिति से D.El.Ed. कोर्स के संचालन हेतु सम्बद्धता प्राप्त सरकारी एवं गैर—सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों की सूची।